दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 28-02-2026

अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में 19 देशों के 3 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने का दिया संदेश

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन भव्य और ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में हुए इस सम्मेलन में 19 देशों के तीन हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जबकि 650 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की वैश्विक शैक्षणिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाली रही। कुलपति ने अपने संबोधन में युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। 'मैं नहीं, बल्कि तुम' विचारधारा का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। मुख्य वक्ता पंकज सिंह ने खेलों में निष्पक्षता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डोपिंग खेल भावना के विरुद्ध है और खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए हानिकारक है। युवाओं को ईमानदारी, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। सम्मेलन में आठ तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विषयों पर शोध-पत्रों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने शोध की गुणवत्ता, नवीनता और व्यावहारिक उपयोगिता पर मार्गदर्शन दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, हरियाणवी लोकनृत्य और रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। एनएसएस प्रोग्राम समन्वयक डॉ. नवीन लाडवाल और राज्य नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने एनएसएस गतिविधियों और समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला।

जींद. देश-विदेश से आए शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी।

पंजाब केसरी
SAT,28 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

19 देशों के 3000 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता के साथ सी.आर.एस.यू. में अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन भव्य रूप से सम्पन्न

जींद, 27 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सी.आर.एस.यू.) के पावन शैक्षणिक प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना सैल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन अत्यंत भव्य, प्रेरणादायक और ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस सम्मेलन ने विश्वविद्यालय की वैश्विक शैक्षणिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

सम्मेलन में 19 देशों से 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जबकि 650 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित किए गए। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में देखी जा रही है।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। दीप की पवित्र ज्योति ने ज्ञान, सत्य और नवाचार के प्रकाश का संदेश दिया। देश-विदेश से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति ने आयोजन को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। कुलगुरु ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

कार्यक्रम में मौजूद वी.सी. और अन्य।

उन्होंने कहा कि यदि युवा वर्ग नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें तो देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के सपनों को नष्ट कर देता है और शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जागरूक, जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक बनना है।

मुख्य वक्ता के रूप में नैशनल एंटी-डोपिंग एजैंसी से पंकज सिंह ने खेलों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और अनुशासन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डोपिंग खेल भावना के विरुद्ध है तथा खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता और सच्ची जीत ईमानदारी, कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से ही प्राप्त होती है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत 8 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत शोध-पत्रों पर गहन चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने शोध की गुणवत्ता, नवीनतम और व्यवहारिक उपयोगिता पर अपने सुझाव दिए। इन सत्रों ने शोधार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का सशक्त मंच प्रदान किया। सम्मेलन दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी सभी का मन मोह लिया।

विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, हरियाणवी लोकनृत्य, समूह गान और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रोग्राम को-ऑर्डीनेटर डॉ. नवीन लाडवाल ने एन.एस.एस. की गतिविधियों, विशेष शिविरों, ग्रामीण विकास अभियानों, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों और नशा मुक्ति अभियानों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एन.एस.एस. का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है और स्वयंसेवकों को समाज की वास्तविक समस्याओं को समझते हुए समाधान का हिस्सा बनना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना, हरियाणा के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि एन.एस.एस. युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से समाज सेवा और नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया तथा 'मैं नहीं, बल्कि आप' के मूल मंत्र को आत्मसात करने का संदेश दिया। अंत में समापन समारोह राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. जगपाल मान, डॉ. राकेश सिंहमार, डॉ. देवेंदर यादव और डॉ. कविता की देख-रेख में राष्ट्र गान के सामूहिक गायन के साथ सम्मेलन का औपचारिक समापन हुआ।

यह अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन ज्ञान, शोध, संस्कृति और सामाजिक चेतना का अद्भुत संगम बनकर उभरा तथा भविष्य में युवाओं को नशा मुक्ति, जागरूकता और समाज सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 28 Feb 2026 - Page 2

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते वीसी। फोटो :हरिभूमि

युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्तिः कुलगुरु

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि ;सीआरएसयू्द्ध के पावन शैक्षणिक प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना सेल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन अत्यंत भव्य, प्रेरणादायक और ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित इस सम्मेलन ने विवि की वैश्विक शैक्षणिक पहचान को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। सम्मेलन में 19 देशों से तीन हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। जबकि 650 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित किए गए। ये उपलब्धि विवि के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में देखी जा रही है। देश व विदेश से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

अमर उजाला

Date-20.02.2026

राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं युवा : प्रो. रामपाल

सीआरएसयू में कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. राम पाल सैनी और अन्य। स्रोत: विवि

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना सेल का अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन ने विश्वविद्यालय को वैश्विक पटल पर नई पहचान दी। विचारों के महाकुंभ में 19 देशों के 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और विभिन्न विषयों पर 650 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं बल्कि एक जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक बनना है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे गांवों में जाकर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति के प्रति जन-जागरूकता फैलाएं। मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी से आए पंकज सिंह ने खेलों में निष्पक्षता और अनुशासन पर जोर दिया। संवाद